

कई महिलाओं में बचपन से ही बहुत सारी नकारात्मक भावनाएं होतीं हैं, महिलाओं के लिए अभिकथन इसीलिए लिखा गया है, ताकि पिछले जन्म से तथा बहुत समय से जो नकारात्मक भावनाएं उनके अंदर निवास कर रही हैं, उनको मिटाया जा सके

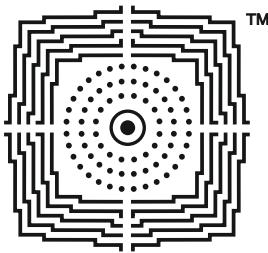
इस लेख को आवश्यकता अनुसार पढ़ने तथा प्राण हीलिंग छड़ी के इस्तेमाल से वह महिलाएँ शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक दर्द से मुक्त हो सकती हैं

### क्योंकि

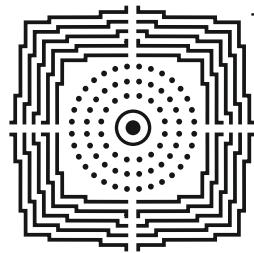
अगर हर महिला खुश होती है,  
तो हर घर खुश होगा  
अगर हर घर खुश है, तो हर शहर खुश होगा,  
यदि हर शहर खुश होगा, तो हर देश खुश होगा,  
यदि हर देश खुश होगा, तो पूरी दुनिया खुश होगी  
सभी महिलाओं के लिए खुशी सबसे महत्वपूर्ण बात है !

# महिलाओं के लिए अभिकथन

[www.pranaviolethealing.com](http://www.pranaviolethealing.com)



TM



TM

### महिलाओं के लिए अभिकथन

मुझे कई बार दुःख होता है कि  
मैंने एक नारी के रूप में जन्म लिया है  
मुझे कभी - कभी निराशा होती है  
कि मैं इस जीवनकाल में एक नारी बनी हूँ

मैं पूर्ण गहराई से, पूर्ण रूप से एवं पूर्ण चेतना  
के साथ खुद को स्वीकार करती हूँ  
औरत होने के कारण मैं अनेक निराशाओं  
का सामना कर रही हूँ  
सबसे पहले तो मेरे परियट,  
कितना दर्द और कितनी असुविधा

और फिर मेरे चारों ओर सभी, पुरुष  
पिता, भाई, पति, बॉयफ्रेंडस, पुरुष सहकर्मी,  
और फिर वह सब जो मैं नहीं कर सकती क्योंकि  
मैं एक औरत हूँ  
मैं लाचार, कुठित, पीड़ित महसूस करती हूँ,  
जैसे किसी को मेरी ज़रूरत नहीं

कोई भी नहीं समझता कि  
मेरे ऊपर क्या गुज़र रही है  
मैं पूर्ण गहराई से, पूर्ण रूप से एवं  
पूर्ण चेतना के साथ खुद को स्वीकार करती हूँ,  
पर मैं क्या कर सकती हूँ

भगवान, मेरी आत्मा के अनेकों जन्मों के लिए ,  
यह आपकी ही दिव्य योजना और दिव्य निर्देशन है

मैं पूर्ण गहराई से, पूर्ण रूप से एवं  
पूर्ण चेतना के साथ खुद को स्वीकार करती हूँ  
भगवान मैं आपका दिव्य निर्देशन एवं  
योजना स्वीकार करती हूँ

मेरे अंदर की आत्मा ना तो स्त्री है और ना ही पुरुष  
मैं आपकी दिव्य चिंगारी हूँ ,मैं आपकी संतान हूँ  
मैं पूर्ण गहराई से, पूर्ण रूप से एवं पूर्ण चेतना के साथ खुद  
को स्वीकार करती हूँ

भगवान आप जानते हैं कि  
इस जीवन में स्त्री बनकर ही मैं अपने कर्मों का संतुलन  
कर सकती हूँ, जिससे मैं आपकी ओर जा सकूँ  
आप में लीन हो सकूँ और आपके साथ एकाकार हो सकूँ  
मैं पूर्ण गहराई से, पूर्ण रूप से एवं पूर्ण चेतना के साथ खुद  
को स्वीकार करती हूँ

भगवान मुझे इस जीवनकाल में स्त्री बनाने के लिए  
आपका धन्यवाद केवल स्त्री बनकर ही मैं अनेक ऐसे  
काम कर सकती हूँ जो पुरुष के लिए कर पाना संभव नहीं है  
मैं पूर्ण गहराई से,  
पूर्ण रूप से एवं पूर्ण चेतना के साथ  
खुद को स्वीकार करती हूँ

भगवान आपका धन्यवाद , धन्यवाद, धन्यवाद !